वि. व. 2019-20 के लिए पीएफसी के वित्तीय परिणाम

वर्ष के दौरान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, पीएफसी ने मजबूत वित्तीय कार्य-निष्पादन का प्रदर्शन किया है

<u>वि. व. 2019-20 की वित्तीय विशेषताएं</u>

- 1 लाख रुपए से अधिक की ऋण संस्वीकृति
- 68,000 करोड़ रुपए का ऋण संवितरण
- राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बावजूद मार्च के अंतिम सप्ताह में 11,000 करोड़ रुपए संवितरित किए गए
- 16% राजस्व वृद्धि
- 10% ऋण परिसंपत्ति वृद्धि
- निधि लागत में 16 बीपीएस की कमी
- ब्याज स्प्रेड में 16 बीपीएस की वृद्धि
- निवल एनपीए 4.55% से 3.8% कम हुए
- रतनइंडिया अमरावती एवं जीएमआर छत्तीसगढ़ (2,700 करोड़ रुपए) जैसी दो दबावग्रस्त परियोजनाओं का समाधान

ति4 वि. व. 2019-20 के दौरान लाभ

एकल

मुख्य रूप से रुपए में गिरावट और ति4 वि. व. 2019-20 के दौरान कुछ प्रावधानों के कारण भी पीएफसी का एकल निवल लाभ ति4 वि. व. (वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर) 2,118 करोड़ रुपए से 1,435 करोड़ रुपए हुआ।

समेकित

हालाँकि, ति4 वि व 20 के दौरान समेकित निवल लाभ में 391 करोड़ रुपए से 694 करोड़ रुपए की गिरावट मुख्य रूप से दो कारकों के कारण स्पष्ट दिखाई देते हैं:

1. सहायक कंपनियों विशेषतः आरईसी लिमिटेड से प्राप्त लाभांश के निर्वाह के कारण। लागू लेखा मानकों की आवश्यकताओं के अनुसार, आरईसी और अन्य समूह की कंपनियों से प्राप्त लगभग 1,220 करोड़ रुपए (1,143 करोड़ रुपए) की लाभांश आया, समेकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में समेकित निवल लाभ से हटा दिए गए।
2. ति4 वि.व. 20 (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर) आरईसी का निवल लाभ में 1,256 करोड़ रुपए से 436 करोड़ रुपए की गिरावट हुई, जिसका मुख्य रूप से कारण विदेशी मुद्रा भिन्नता और कुछ प्रावधान भी था।